सर्व धर्म स्नेह मिलन सम्पन्न

कोरबा 27.02.2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में रामजानकी मंदिर में त्रि–दिवसीय शिवरात्रि महोत्सव के समापन सत्र में एक सर्व धर्म स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए फादर पवित्र दीप चर्च पोड़ी बहार ने कहा भलाई की बातों को व अच्छाईयों की बातों को व उपकार की बातों को आप पढ़ेगें तो बाईबिल में लिखा है कि मैं तुम्हें अपनी शांति देता हूँ। जो कि आपको आंसू आने के समय भी मिलती रहेगी। मैं तुम्हें जो आनंद देता हूँ , वह भी चिरस्थायी है। प्रभु ईशु को शांति का राजकुमार भी कहा गया है। मो. नौसाद साहब गेवरा ने कहा कि जब कोई तकनीकी उपकरण बनाते हैं तो उसका कोई न कोई मेनुअल होता है, उसी तरह से कुरान भी एक मेनुअल है। हजरत मोहम्मद नबी भी आये और उन्होंने उस रास्ते पर चल कर दिखलाया। उसमें बहुत सारी तालीमें दी गई, जिसे यदि हम आत्मसात् करें तो जिन्दगी आसान होती है। भ्राता शिव चरण कश्यप गायत्री परिवार हरिद्वार ने कहा कि हिन्दु कोई धर्म सम्प्रदाय नहीं लेकिन एक जीवन जीने की पद्धति है। यह वैदिक व सनातन धर्म है, जो कि सृष्टि के आरम्भ से चलता आ रहा है। जाति लिंग भाषा से उठकर पं. आचार्य श्रीराम शर्मा ने कुरीतियों का उन्मूलन करते हुए एक समाज को नई दिशा, गायत्री परिवार के द्वारा दी। फादर रवि बक्स मसीही आराधनालय मिशन रोड कोरबा ने कहा कि क्या कारण है कि सब धर्म शांति, पम, भाई चारा, त्याग, सेवा की बातें तो बोलते हैं, लेकिन धर्म के नाम पर लड़ाई झगड़ा और विवाद करते हैं? हमने अपने धर्म को व आस्था को किस रीति से समझा है, इसको हमें गहन चिन्तन के साथ समझने की आवश्यकता है। प्रभु ईशु ने जीवन को प्रकाशवान करने के लिये बाईबिल को दिया। मो. अब्दुल वाहिद सिद्धकी जिला अध्यक्ष जमात ए इस्लामी हिन्द कोरबा ने कहा हम अपने समाज में सद्भाव पैदा करने वाली बातों की पहल करें। हम उन बातों को उजागर न करें जोकि आपस में नफरत की बुनियाद बन सकती है। अंतिम दिन भी हम नहीं पकड़े जायें इसका भी ध्यान रखते हुए कुरान के हुकम पर चलें। फादर राजेश जोसेफ मिराकल ए.जी.चर्च ने कहा कि प्रभु ईशु इस धरा पर मानव का रूप लेकर आया मानव उद्धार करने के लिये आये। बाईबिल में इसका वर्णन है कि ईश्वर की एक–एक वाणी से, जैसा–जैसा ईश्वर ने कहा वैसा ही संसार बन गया। सातवें दिन ईश्वर ने अपने समान आदम को बनाया। इंसान में वैर भाव कहाँ से आया? आज भी हम देखें, तो हर मानव का रक्त लाल ही है। बहन लवलीन गांधी ने सिक्ख धर्म में गुरूनानक देव की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परमात्मा एक है वह सत्य है। वह

जन्म–मरण से न्यारा और स्वयं प्रकाशवान है। समाज सेवी भ्राता एल. एन. कड़वे जी ने कहा कि स्नेह मिलन कार्यकम का एक प्रयास था कि इस संसार के विभिन्न धर्म एक साथ आ सकें, भाई चारा उत्पन्न हो सके, समन्वय की भाषा उत्पन्न हो सके और परमात्मा इस संसार में शांति स्थापन करें। इस उद्देश्य से कहा जाये तो स्थानीय राजयोग का यह प्रयास बहुत बहुत प्रसंशनीय भी है और सफल भी हुआ है। मो. अब्दुल गफ्फार खान ने कहा कि हम सभी लोग उस एक मालिक के कुन्बे हैं, इसीलिये ईश्वर को हम सबसे प्रेम है। वह यही चाहता है, कि आत्मा और शरीर की सुरक्षा प्रदान करने वाले नियम को अपनाते हुए हम सब लोग आपस में भाई चारे के साथ रहकर दुनिया में अमन और शांति बनाये रखें। ब्रह्माकुमारी रूकमणि बहन ने कहा कि एक पिता के यदि दस बच्चे हैं, तो व अपने पिता का नाम एक ही बतलायेगें। हम सभी एक पिता की संतान होने के कारण आपस में भाई–भाई हैं। बहन अंजना शर्मा ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। भ्राता राजमीत भाई, साधराम भाई और कु.नेहा कविता और गीत की प्रस्तुति की। धन्यवाद् ज्ञापन शेखरराम ने किया। राजयोग केन्द् टी.पी.नगर कोरबा में सात दिवसीय शिविर का आयोजन प्रातः एवं सायं 7–8:30 बजे तक किया गया है।

मानवीय सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी।